This Question Paper contains 8 printed pages.

Seat No.: | | | | | | | |

Sl. No. : 126395

009(H)

(May, 2021)

Time : 3 Hours] ***[Maximum Marks : 100***

सूचनाएँ :

1) इस प्रश्नपत्र में चार विभाग हैं।

2) प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है।

3) सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

4) शुद्ध वाक्यरचना, भाषाशैली एवं स्वच्छता पर ध्यान दें।

5) प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर दिए गए हैं।

विभाग - A

■ **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए:** **[8]**

(1) पण्डित अलोपीदीन को किस पर अखंड विश्वास था?

(अ) लक्ष्मीजी पर (ब) सरस्वतीजी पर

(स) अपने आप पर (द) शिवजी पर

(2) सीमा बुआ की पड़ोसन का नाम क्या था?

(अ) किशोरी लाल (ब) रश्मि

(स) राधा (द) अश्मि

(3) ''मैंने इस घर की शहतीर तक ईंटें चढ़ाई हैं।'' - वाक्य कौन बोलता है?

(अ) लेखक (ब) माँ

(स) लेखक के छोटे भाई (द) तीनों सही हैं।

(4) रेडियम किस प्रजा से दुखी है?

(अ) अमरीकी (ब) नेपाली

(स) भूतानी (द) भारतवासी

(5) सुभाष बाबू का जीवन-पथ कैसा रहा?

(अ) संघर्षमय (ब) स्नेहपूर्ण

(स) सुखमय (द) आरामदेय

(6) एक नेता 28 फरवरी को उदास रहते हैं; क्योंकि....

(अ) उनकी शादी हुई थी।

(ब) उनका जन्मदिन चार साल में एक बार आता है।

(स) उनकी पत्नी की मृत्यु हुई थी।

(द) वह उसी दिन बीमार हुए थे।

(7) महीनों से मन उदास है क्योंकि....

(अ) नौकरी चली गई थी।

(ब) स्वजन की मृत्यु हुई थी।

(स) घर में हररोज झगड़े होते थे।

(द) कुछ तबीयत ढीली, कुछ तनाव और टूटने का डर

(8) पण्डित अलोपीदीन ने वंशीधर को जायदाद का ---------- नियुक्त किया।

(अ) उत्तराधिकारी (ब) मालिक

(स) स्थायी मैनेजर (द) तीनों गलत हैं।

■ **रचना के साथ योग्य पात्र का जोड़ा मिलाकर लिखिए :** [2]

रचना	**पात्र**
(9) अकेली	(i) छोटा भाई
(10) घर	(ii) वंशीधर
	(iii) सन्यासीजी महाराज

■ **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :** **[4]**

(11) 'रेडियम' कहाँ रहना नहीं चाहता था?

(12) सुभाष बाबू युद्ध को क्या समझते थे?

(13) बुजुर्ग मित्र ने लेखक से क्या कहा?

(14) कुर्सी पर पड़े-पड़े सोचते-सोचते कितने बज गए?

■ **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए :** **[6]**

(15) वंशीधर रात को जमुना नदी पर क्यों गए?

(16) सीमा बुआ पड़ोसवालों के घर कैसे प्रसंग पर पहुँच जाती थीं? वहाँ क्या करती थीं?

(17) लेखक ने पुराना घर बेच देने का विचार क्यों किया?

(18) पारस पत्थर की विशेषता क्या है?

(19) सुभाष बाबू ने अपनी दृढ़ता को किस चादर से नहीं ढाँका?

■ **निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर सात-आठ वाक्यों में लिखिए :** **[5]**

(20) जन्मदिन के बारे में लेखक के विचार स्पष्ट करें।

(21) सीमा बुआ का पात्र परिचय लिखिए।

विभाग - B

■ **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए :** **[8]**

(22) किसके बिना मीरा को कुछ भी नहीं सुहाता?

(अ) राम (ब) कृष्ण

(स) हरि (द) शंकर

(23) गोपियाँ किसकी बनी माला पहनेंगी?

(अ) गुंजा की (ब) मोरपंख की

(स) फूलों की (द) मोती की

(24) बालक किसके आश्रम में पढ़ रहा था?

(अ) गौतम (ब) द्रोणाचार्य

(स) कश्यप (द) मौनीऋषि

(25) कवि ने किस वन का जिक्र किया है?

(अ) मधुवन (ब) सतपुड़ा के वन

(स) तपोवन (द) चीड़ वन

(26) जीवन में एक सितारा था.....?

(अ) वह डूब गया तो डूब गया (ब) माना वह बेहद प्यारा था

(स) अम्बर के आनन को देखो (द) कितने इसके प्यारे छूटे

(27) दीदी भाई के लिए क्या सामान रखती है?

(अ) खिलौने (ब) केले

(स) गुड्डे (द) कपड़े

(28) कैलेंडर को देखकर कवि को क्या याद आता है?

(अ) रोज की दिनचर्या (ब) जन्मदिन

(स) पुराने मित्र (द) मीठी यादें

(29) 'ओलूँरी ' का क्या अर्थ है?

(अ) अनुनय (ब) विनय

(स) लोरी (द) माफिक

■ **कविता के साथ कवि का नाम लिखकर जोड़ा मिलाइए :** [2]

(30) कान्ह भह बस बाँसुरी के - (i) जयशंकर प्रसाद

(31) भारत शिररत्न: भरत - (ii) मीरा

(iii) रसखान

■ **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :** **[4]**

(32) दरख्तों के तने कैसे हैं?

(33) तारों के टूटने पर अम्बर क्या नहीं करता?

(34) दोपहर में ठण्डी छाँह का अनुभव कवि कहाँ करता है?

(35) कैलेंडर कहाँ लगा है?

■ **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए :** **[6]**

(36) दिन छिपने पर कवि किसका इंतजार करता है? क्यों?

(37) कवि को इसकी क्यों चिंता है कि घर नदियों के किनारे बने हैं?

(38) बालक ने क्रोधित सिंहनी से क्या कहा?

(39) गोपियाँ कृष्ण की बाँसुरी को अपने ओठों पर क्यों नहीं रखना चाहतीं?

(40) कृष्ण कैसे होली खेल रहे हैं?

■ **निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर सात-आठ वाक्यों में लिखिए :** **[5]**

(41) 'नींव की ईंट हो तुम दीदी' कविता का केन्द्रीयभाव समझकर लिखिए।

(42) बालक भरत की निर्भीकता का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

विभाग - C

■ **निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए :** **[2]**

(43) दुर्ग

(44) नीयत

■ **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :** **[2]**

(45) प्रवृत्ति

(46) कोमल

■ **निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए :** [2]

(47) नाक

(48) सौ

■ **निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग कीजिए :** [2]

(49) मानवता

(50) नेतृत्व

■ **निम्नलिखित शब्दसमूह के लिए एक शब्द दीजिए :** [2]

(51) जी-हजूरी करना

(52) गरीबों को मुफ्त में खाना खिलाना

■ **निम्नलिखित अशुद्ध वाक्य को शुद्ध करके पुनः लिखिए :** [1]

(53) शुद्ध गाय का दूध चाहिए

■ **निम्नलिखित कहावत का अर्थ लिखिए :** [1]

(54) ऊँट के मुँह में जीरा

■ **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए :** [4]

(55) पौ बारह होना

(56) सिर पीटना

■ **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** [4]

(57) ई-मेल क्या है?

(58) डाक विभाग कौन से मंत्रालय के अंतर्गत आता है?

(59) राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस कब मनाया जाता है?

(60) कश्मीर के मुख्य पर्यटन केन्द्र लिखिए।

विभाग - D

■ **निम्नलिखित पद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :** [5]

(61) अब तड़पती-सी गज़ल कोई सुनाए, हमसफ़र ऊँघे हुए हैं, अनमने हैं।

■ **निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर एक तिहाई में सारांश लिखकर उचित शीर्षक दीजिए :** [5]

(62) अपना विक्रेता वर्ग बढ़ाने की होड़ में कंपनियाँ गाँव के बाज़ारों में नकली सामान भी उतार रही हैं। कई उत्पाद ऐसे होते हैं जिन पर न तो निर्माण तिथि होती है और न ही उस तारीख का ज़िक्र होता है। आउटडेटेड या पुराना पड़ चुका सामान भी गाँव-देहात के बाज़ारों में खप रहा है। उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए कानून ज़रूर हैं लेकिन कितने लोग इनका सहारा लेते हैं यह बताने की जरूरत नहीं। गुणवत्ता के मामले में जब शहरी उपभोक्ता ही उतने सचेत नहीं हो पाए हैं तो गाँव वालों से कितनी उम्मीद की जा सकती है। बेशक, इस कड़वे सच को स्वीकार कर लेना चाहिए कि गुणवत्ता के प्रति जागरूकता के लिहाज से शहरी समाज भी कोई ज्यादा सचेत नहीं है। नकली सामान के खिलाफ जागरूकता पैदा करने में स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी मिलकर ठोस काम कर सकते हैं। यानी नकली सामान के इस गोरखधंधे पर विराम लगाने के लिए जो कदम या अभियान शुरू करने की ज़रूरत है वह तत्काल हो।

■ **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** [5]

समय की मूडी ईश्वर ने सभी को समान दी है, चाहे राजा हो या फकीर। वह व्यक्ति पर निर्भर है कि उसका उपयोग किस प्रकार करें। समय बहुत बलवान है। उसकी प्रत्येक कौडी महत्त्वपूर्ण है। एक बार चला गया समय वापस कभी भी नहीं आ सकता। वो तो कमान से निकले तीर के समान है। गतिमान है, कोई उसे रोक नहीं सकता। समय को बरबाद करना और जीवन से हाथ धोना दोनों बराबर है। जो कहते हैं कि बैठे-बैठे बोर हो गए वो समय के सब से बड़े कातिल हैं, वो ही बाद में कहते हैं कि काश! गुजरा हुआ वक्त वापस आ जाए। लेकिन समय तो बहती धारा के समान है कभी पीछे मुड़कर नहीं देखता। हमारे महापुरुषों ने अपने समय का सद्उपयोग किया था इसलिए इतिहास में अमर है।

(63) परिच्छेद को योग्य शीर्षक दीजिए।

(64) जीवन में सबसे ज्यादा मूल्यवान क्या है?

(65) समय को बरबाद करने से क्या होगा?

(66) कौन अपना नाम अमर कर गए हैं? कैसे?

(67) 'मूडी' और 'ईश्वर' के समानार्थी शब्द लिखिए।

विभाग - E

■ **निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखकर उचित शीर्षक दीजिए :** **[5]**

(68) एक राजा — महल में चोरी — नौकरों पर शक — सभी को एक समान लकड़ी देना — जिसने चोरी की उसकी लकड़ी छोटी हो जाएगी — चोर ने रात में काट दी — दूसरे दिन पकड़ा जाना — शीर्षक।

■ **निम्नलिखित विषय पर 250 शब्दों में निबंध लिखिए :** **[10]**

(69) आत्मनिर्भर भारत

अथवा

अनाथ बच्चे की आत्मकथा

अथवा

प्रिय त्यौहार होली

◆◆◆